SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR

Celebrates

75 Years

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

एस बी बी जे

S B B J

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य
View of the Meeting of the Board of Directors

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर-302005

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की बयालीसवीं वार्षिक साधारण सभा **बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल के पास, जयपुर में शनिवार, दिनांक 28 जून, 2003 को प्रातः 11.30 बजे** (मानक समय) आयोजित की जावेगी, जिसमें 1 अप्रैल, 2002 से 31 मार्च, 2003 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशकों के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार किया जायेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

जयपुर — **एन. के. पुरी**

मई 15, 2003 — प्रबन्ध निदेशक

Notice

State Bank of Bikaner & Jaipur

(Associate of the State Bank of India)

Head Office : Tilak Marg, Jaipur-302 005

Notice is hereby given that the Forty Second Annual General Meeting of the shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Birla Auditorium, Near Statue Circle, Jaipur on Saturday, the 28th June, 2003 at 11.30 A.M.** (Standard Time) to discuss the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period from 1st April, 2002 to 31st March, 2003.

By Order of the Board

JAIPUR — **N. K. Puri**

May 15, 2003 — Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	04
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
तुलन-पत्र	52
Balance Sheet	52
लाभ-हानि खाता	54
Profit & Loss Account	54
अनुसूचियां	56
Schedules	56
प्रमुख लेखा नीतियां	78
Principal Accounting Policies	79
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	82
Auditors' Report	83
नकदी प्रवाह विवरण	84
Cash Flow Statement	84

उन्नति का एक दशक 1994-2003
A Decade of Progress 1994-2003

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in Crore)

संकेतक Indicators	पूँजी एवं आरक्षितियाँ Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	हानिप्रद शाखाएं Loss making Branches	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee
मार्च March 1994	68.46	5551	113	46.82	6.50	733	0.37
मार्च March 1995	73.38	6459	86	72.73	8.04	740	0.40
मार्च March 1996	157.81	7500	50	112.25	25.79	753	0.47
मार्च March 1997	193.48	8866	31	156.93	40.48	771	0.55
मार्च March 1998	344.12	10493	13	195.92	90.48	774	0.63
मार्च March 1999	419.35	12223	14	162.12	91.88	787	0.74
मार्च March 2000	523.12	14018	10	237.88	120.42	794	0.86
मार्च March 2001	609.20	16065	7	268.30	105.37*	799	1.05
मार्च March 2002	752.11	17592	7	390.61	164.50*	802	1.29
मार्च March 2003	903.45	20007	4	440.85	203.28*	804	1.46

* स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के कारण वर्ष 2000-01 में रुपये 45.37 करोड़ एवं वर्ष 2001-02 व 2002-03 में रुपये 21.45 करोड़ प्रति वर्ष भार के बाद।
* After VRS outgo of Rs. 45.37 crore in 2000-01 and Rs. 21.45 crore in both 2001-02 and 2002-03.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

उल्लेखनीय तथ्य HIGHLIGHTS 2002-2003	(रुपये करोड़ में) (Rs. in Crore)
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits	20006.96
जमा राशियाँ Deposits	13233.63
अग्रिम (निवल) Advances (Net)	6773.33
निवेश Investments	7681.99
शुद्ध लाभ Net Profit	203.28
जमाओं की लागत Cost of Deposits	7.07%
अग्रिमों पर आय Yield on Advances	10.10%
शुद्ध ब्याज अन्तर Net Interest Margin	3.06%
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियाँ Paid-up Capital & Reserves	903.45
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)	406.55
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)	1806.90
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	13.08%
आच्छादन अनुपात Coverage Ratio	3.50%
लाभांश दर Dividend Rate	50.00%
सकल गैर-निष्पादित आस्तियाँ Gross Non Performing Assets	580.29
सकल गैर-निष्पादित आस्तियाँ प्रतिशत Gross NPA %	8.15%
निवल गैर-निष्पादित आस्तियाँ प्रतिशत Net NPA %	4.13%
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sector	3305.32
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture	1178.31
लघु उद्योग क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Scale Industries	1103.74
लघु व्यवसाय अग्रिम Advances to Small Business	528.34
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या Total number of Kisan Credit Cards	123232
निर्यात वित्त Export Finance	752.42
आठ सेवा शाखाओं सहित शाखाओं की कुल संख्या No. of branches including eight service branches	804
पूर्णत: कम्प्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या No. of fully computerised branches	517
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees	13209
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average business per employee	1.46

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल

श्री ए. के. पुरवार
अध्यक्ष
भारतीय स्टेट बैंक
कॉरपोरेट केन्द्र
मादाम कामा रोड, मुम्बई

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष

श्री के.एस.वी. कृष्णमा चारी
उप प्रबन्ध निदेशक एवं समूह कार्यपालक
(सहयोगी एवं समनुषंगी समूह)
भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र
मादाम कामा रोड, मुम्बई

अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

श्री करुणासागर
क्षेत्रीय निदेशक
भारतीय रिज़र्व बैंक
टोंक रोड, जयपुर

अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत

श्री ए. आर. समाजदार
महाप्रबन्धक
(सहयोगी एवं समनुषंगी समूह)
भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र
मादाम कामा रोड, मुम्बई

अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

श्री एम. एन. राव
उप महाप्रबन्धक
(सहयोगी एवं समनुषंगी समूह)
सहयोगी बैंक विभाग,
भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र
मादाम कामा रोड, मुम्बई

अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत

श्री एन. के. पुरी
प्रबन्ध निदेशक
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर

अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत

श्री रमेश चन्द भण्डारी
रुप श्री, एस-1-ए
भवानी सिंह मार्ग
सी-स्कीम, जयपुर

अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक

श्री कुनाल डालमिया
डालमिया हाउस, 10वीं मंजिल
13, नेली सेनगुप्ता सरनी
कोलकाता-700 087

अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक

श्री एस.डी.एस. मिन्हास
अवर सचिव,
भारत सरकार, वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग)
संसद मार्ग, नई दिल्ली

अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS

Shri A. K. Purwar
Chairman
State Bank of India
Corporate Centre
Madame Cama Road, Mumbai

Chairman, ex-officio under clause (a) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Shri K. S. V. Krishnama Chari
Dy. Managing Director & Group Executive (A & S Group)
State Bank of India
Corporate Centre
Madame Cama Road, Mumbai

Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri Karunasagar
Regional Director
Reserve Bank of India
Tonk Road, Jaipur

Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri A. R. Samajdar
General Manager (A & S Group)
State Bank of India, Corporate Centre
Madame Cama Road, Mumbai

Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri M. N. Rao
Dy. Gen. Manager (A & S Group)
Associates Banks Deptt.
State Bank of India, Corporate Centre
Madame Cama Road, Mumbai

Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri N. K. Puri
Managing Director
State Bank of Bikaner & Jaipur
Head Office, Tilak Marg, Jaipur

Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act

Shri Ramesh Chand Bhandari
"Roop Shri" S-1-A
Bhawani Singh Marg
C-Scheme, Jaipur

Elected Director under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri Kunal Dalmia
Dalmia House, 10th Floor
13, Nellie Sengupta Sarani
Kolkata-700 087

Elected director under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

Shri S. D. S. Minhas
Under Secretary
Govt. of India
Ministry of Finance
Deptt. of Economic Affairs
(Banking Division)
Parliament Street, New Delhi

Nominated by the Central Government under cluase (e) of sub- section (1) of section 25 of the Act

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल
BOARD OF DIRECTORS

श्री ए. के. पुरवार
अध्यक्ष
Shri A. K. Purwar
Chairman

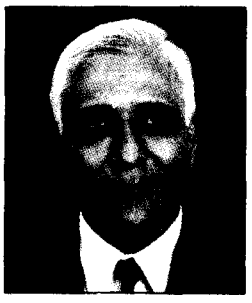

श्री एन. के. पुरी
प्रबन्ध निदेशक
Shri N. K. Puri
Managing Director

श्री के.एस.वी. कृष्णमा चारी
Shri K.S.V. Krishnama Chari

श्री करुणासागर
Shri Karunasagar

श्री ए. आर. समाजदार
Shri A. R. Samajdar

श्री एम. एन. राव
Shri M. N. Rao

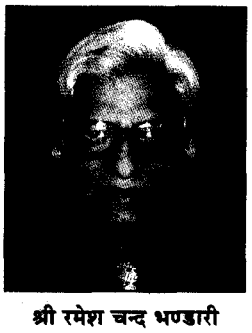

श्री रमेश चन्द भण्डारी
Shri Ramesh Chand Bhandari

श्री कुनाल डालमिया
Shri Kunal Dalmia

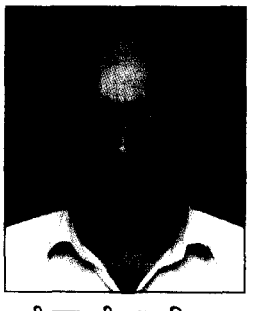

श्री एस. डी. एस. मिन्हास
Shri S. D. S. Minhas

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1958 की धारा 43 (1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2002 से 31 मार्च, 2003

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबन्धन विचार-विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

बाह्य पहलू

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के वर्तमान अनुमानों के अनुसार विश्व अर्थव्यवस्था में वर्ष 2002 के 3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2003 के दौरान 3.2 प्रतिशत वृद्धि होने की आशा है। वैश्व-राजनीति तनावों के कारण समस्त विश्व, मुख्यत: भारत जैसे उभरते हुए बाजारों, की आर्थिक गतिविधियों पर बुरा प्रभाव पड़ा एवं विश्व अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का स्तर उच्च रहा। अमेरिका, यूरोपियन संगठन तथा जापान जैसे उन्नत देशों की अर्थव्यवस्था, वर्ष 2003 में सकारात्मक वृद्धि प्राप्त करने के अनुमान के बावजूद विश्व अर्थव्यवस्था में आई मंदी के कारण अभी भी नहीं उबर पायी है। विश्व अर्थव्यवस्था में आई इस मंदी ने भारत के सॉफ्टवेयर उद्योग, जो कि प्रमुखत: इन विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों को होने वाले निर्यात पर निर्भर था, पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। खाड़ी देशों में बढ़ते हुए तनाव के साथ इराक के घटनाक्रमों तथा निमोनिया जैसी विषाणुजनित बीमारी सार्स, जिसके कारण विश्व में अब तक कई मौतें हो चुकी हैं, ने विश्व पर्यटन तथा उड्डयन उद्योग को भारी क्षति पहुँचायी है एवं सुदूर पूर्वी प्रगतिशील देशों की अर्थव्यवस्था मुख्यत: चीन, सिंगापुर तथा हाँगकाँग को बुरी तरह से प्रभावित किया है।

घरेलू पहलू

भारत में विगत 100 वर्षों के सबसे भीषण अकाल के कारण कृषि उत्पादन में कमी के बावजूद कुल मिलाकर सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2002-03 के दौरान 4.4 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) के पूर्वानुमानों के अनुसार कृषि उत्पादन में लगभग 3.1 प्रतिशत की कमी होने की संभावना है। औद्योगिक क्षेत्र (5.8 प्रतिशत) तथा सेवा क्षेत्र (7.1 प्रतिशत) में उच्च वृद्धि होने का अनुमान है जो कि गत वर्ष में दर्ज वृद्धि दरों की तुलना से अधिक है। केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) ने वित्तीय, अचल सम्पदा तथा व्यवसाय सेवा क्षेत्र में वर्ष 2001-02 के 4.5 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2002-03 के लिये 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान किया है। सकल घरेलू बचतें सुधर कर सकल घरेलू उत्पाद के 24 प्रतिशत के स्तर तक रही।

14 वर्षों की सामान्य तथा तकरीबन सामान्य वर्षा के उपरांत इस वर्ष सत्तरह राज्यों में सूखे की स्थिति से वर्ष 2002-03 के दौरान मुद्रा स्फीति के उच्च होने का संदेह था। तथापि अर्थव्यवस्था ने स्थायित्व तथा आन्तरिक सुदृढ़ता को प्रदर्शित किया है। खरीफ़ उत्पाद में कमी तथा खाड़ी क्षेत्र में तनाव के परिणामस्वरूप अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के उच्च मूल्यों के कारण वार्षिक मुद्रा स्फीति दर थोक मूल्य सूचकांक के अनुसार जनवरी 2003 के 4 प्रतिशत से भी कम के स्तर से बढ़कर मार्च, 2003 के अन्त में 6.2 प्रतिशत रही। तथापि, वर्ष के दौरान औसत मुद्रा स्फीति 3.3 प्रतिशत के न्यून स्तर पर रही।

जैसलमेर के नजदीक बैंक द्वारा वित्त पोषित एक पवन चक्की

'Wind mills' near Jaisalmer financed by the Bank

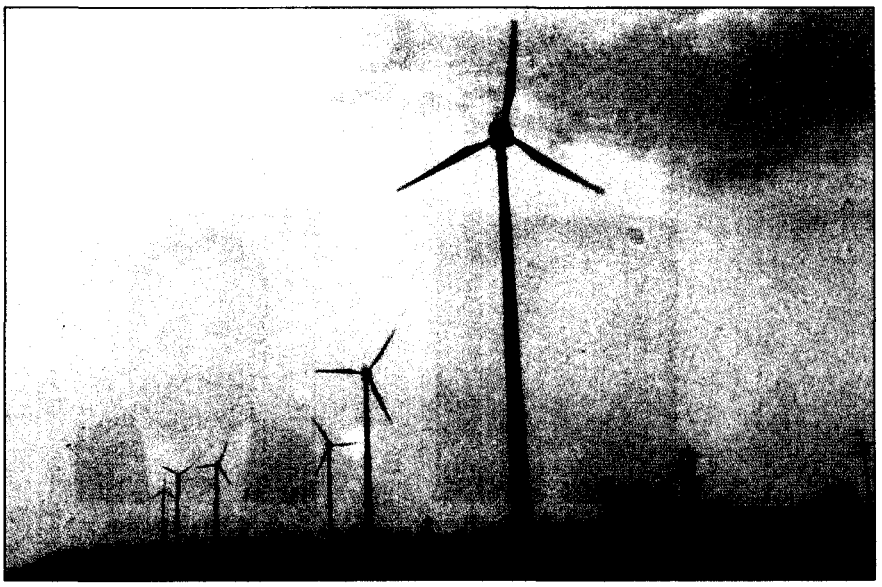

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Report of the Board of Directors to the State Bank of India, the Reserve Bank of India and the Government of India in terms of Section 43(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Period covered by the report: 1st April, 2002 to 31st March , 2003

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2003.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT

EXTERNAL DEVELOPMENTS

According to the latest estimates of the International Monetary Fund (IMF), the world economy is expected to have a growth of 3.2 per cent during 2003 against 3 per cent in 2002. The uncertainty regarding the economic outlook, however, remains high due to geopolitical tensions which could cause a dampening effect on economic activity throughout the world, particularly the emerging markets such as India. Major advanced economies like the USA, the European Union and Japan despite being projected to achieve a positive growth in 2003 are yet to recover well enough to engineer a larger global turnaround. This sluggishness in the global economy has adversely impacted the growth of India's Software Industry which has been thriving on exports particularly to advanced economies. The escalation of tension in the Persian Gulf with developments in Iraq and the scare caused by a pneumonia like viral disease known as Severe Acute Respiratory Syndrome (SARS) which has claimed many lives throughout the world so far, have virtually held the tourism and aviation industries to ransom and adversely impacted the growing economies of the Far East particularly China, Singapore and Hong Kong.

DOMESTIC DEVELOPMENTS

In India, despite a decline in agricultural production due to one of the severest droughts in the last 100 years, the overall Gross Domestic Product is estimated to grow at the rate of 4.4 per cent during the fiscal 2002-03. According to the advance estimates of the Central Statistical Organisation (CSO), the output from agriculture is expected to decline by as much as 3.1 per cent. Growth rates of industry (5.8 per cent) and services (7.1 per cent) are estimated higher than the rates prevalent in the previous year. The CSO has also placed the growth of financial, real estate and business services sector at 6.5 per cent for 2002-03 as compared with 4.5 per cent in 2001-02. Gross domestic savings as a proportion of GDP at 24 per cent have improved.

Drought in seventeen States this year after 14 years of normal or near normal rainfall raised apprehension of high inflation during 2002-03. The economy, however, has displayed resilience and intrinsic strength. Due to the shortfall in kharif output and high international crude oil prices resulting from tension in the Gulf region, annual rate of inflation as measured by the Wholesale Price Index, rose from below 4 per cent up to January 2003 to 6.2 per cent by end March 2003. However,

कांडला बन्दरगाह से बैंक द्वारा वित्त पोषित इकाई के नमक क्षेत्र से नमक का लदान करते हुए

Loading of Salt for shipment at Kandla Port - unit financed by the Bank

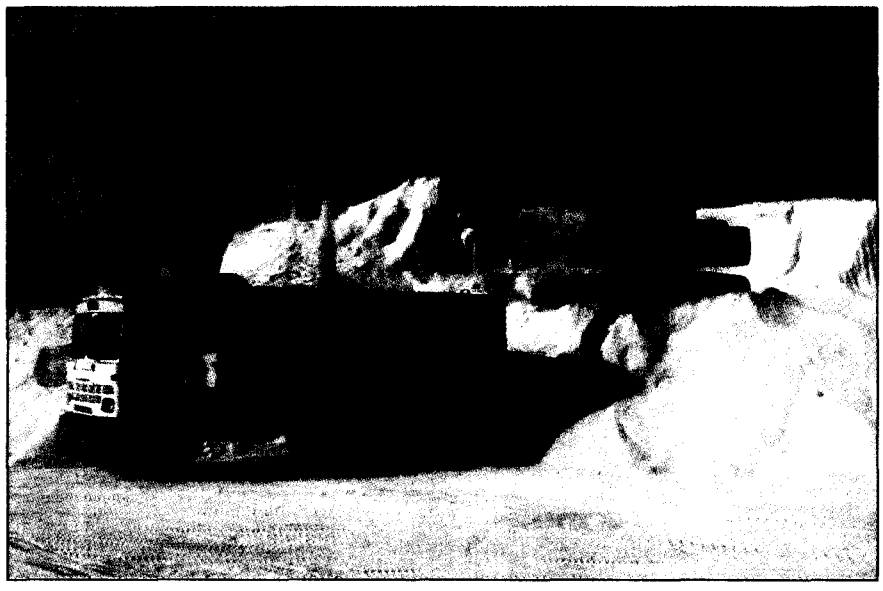

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अदृश्य प्रवाहों में आये उछाल, जो कि सकल घरेलू उत्पाद के 2.9 प्रतिशत स्तर तक पहुँच चुके हैं, के कारण 24 वर्षों बाद वर्ष 2001-02 की अन्तिम तिमाही में चालू खाता आधिक्य की स्थिति में परिवर्तित हुआ तथा वर्ष 2002-03 के दौरान इसमें आधिक्य की स्थिति लगातार बनी रही। परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा भण्डार, जो कि वित्तीय वर्ष के अन्त में 74.7 बिलियन डालर थे, ने भारत को उच्च भण्डारण वाली उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों की श्रेणी में ला दिया। भण्डारण में बढ़ोतरी के प्रमुख साधनों में गैर ऋण से पूँजी प्रवाह, मूल्यांकन लाभ तथा चालू खाते में आधिक्य का होना है। विदेशी विनिमय कोषों का वर्तमान स्तर एक वर्ष से अधिक के आयातों के लिये पर्याप्त है।

वर्ष 2002-03 दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-07) का प्रथम वर्ष है जिसमें औसत वार्षिक वृद्धि दर 8 प्रतिशत होने का अनुमान है। जबकि हाल ही के वर्षों में विकास दर इस लक्ष्य से कम रही है, अन्तर्राष्ट्रीय साक्ष्य (चीन, मलेशिया, कोरिया गणराज्य एवं थाईलैण्ड वार्षिक विकास दर 8 प्रतिशत या इससे अधिक रख सके हैं) तथा भारतीय अनुभव इंगित करते हैं कि इस लक्ष्य को प्राप्त करना संभव है।

बदलाव एवं त्वरित विकास वृद्धि के लिए प्रौद्योगिकी एवं प्रतिस्पर्धा के साथ श्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय परम्पराओं के मानदण्ड प्रमुख होंगे। योजना के अन्य लक्ष्यों में गरीबी अनुपात को 5 प्रतिशत से घटाना, साक्षरता दर को 75 प्रतिशत तक बढ़ाना, 2003 तक सभी बच्चों को स्कूल में भेजना तथा कम से कम श्रमिक बल में हुई अतिरिक्त वृद्धि हेतु लाभप्रद रोजगार उपलब्ध करवाना सम्मिलित है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

राजस्थान राज्य पिछले कुछ वर्षों से कभी कम व कभी ज्यादा सूखे से प्रभावित रहा है। कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, रोजगार उत्पन्न करने एवं राज्य के सकल उत्पादन में इसका मुख्य योगदान है एवं ऐसे में लगातार चार वर्षों से अकाल की स्थिति ने राज्य की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित किया है। पूर्वानुमानों के अनुसार राज्य का निवल घरेलू उत्पाद चालू दरों पर वर्ष 2001-02 के रुपये 79,262 करोड़ से घटकर वर्ष 2002-03 में रुपये 76,888 करोड़ रह गया है। प्रति व्यक्ति आय, जो कि चालू दरों पर अनुमानित है, रुपये 13,066 रही जबकि गत वर्ष 2001-02 की समान अवधि में यह रुपये 13,825 थी जो गत वर्ष से 5.49 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। चालू दरों पर राज्य की प्रति व्यक्ति आय रुपये 13,066 देश की औसत प्रति व्यक्ति आय रुपये 18,765 की तुलना में काफी कम है तथा इनमें अन्तर बढ़ता जा रहा है क्योंकि राज्य में प्रति व्यक्ति आय घट रही है व राष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति आय विगत वर्षों से लगातार बढ़ रही है।

सितम्बर 2002 को राजस्थान में प्रति व्यक्ति बैंक जमा रुपये 5571 एवं प्रति व्यक्ति बैंक साख रुपये 2642 थे जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति बैंक जमा एवं ऋण का औसत क्रमशः रुपये 11,302 एवं रुपये 6,432 था, जिससे स्पष्ट होता है कि राज्य की आर्थिक स्थिति एवं देश की आर्थिक स्थिति में काफी अन्तर है।

वित्तीय क्षेत्र में विकास

निधियों में तरलता की स्थिति, गैर-खाद्य अग्रिमों के उठाव में सुधार एवं सरकारी प्रतिभूतियों पर आय सहित ब्याज दरों में कमी आदि वित्तीय वर्ष 2002-03 की विशेषताएँ रही हैं। मुद्रा स्फीति के जनवरी 2003 तक नियंत्रित रहने से ब्याज दरों में नरमी रही।

"वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित अधिनियम 2002" का लागू होना वित्तीय क्षेत्र के सुधारों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह अधिनियम आस्ति प्रबन्धन कम्पनी के गठन तथा बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं की गैर-निष्पादित आस्तियों की समस्या हल करने तथा ऋणदात्री संस्थाओं के अधिकारों में बढ़ोतरी करने में सहायक है।

एचडीएफसी, एसबीआई के साथ दून एवं ब्राडस्ट्रीट और ट्रान्स-यूनियन द्वारा प्रोन्नत क्रेडिट इन्फॉरमेशन ब्यूरो इण्डिया लिमिटेड ने इस वर्ष से काम करना प्रारम्भ कर दिया है। यह कम्पनी प्रथम चरण में (रुपये 25 लाख एवं इससे अधिक के) जानबूझकर चूक करने वाले ऋणियों के बारे में सीमित सूचनाएँ उपलब्ध करवायेगी।

राष्ट्रीय विकास परिषद ने दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-07) के लिये रुपये

बैंक द्वारा वित्त पोषित जयपुर में एक स्कूल भवन

A School Building in Jaipur financed by the Bank

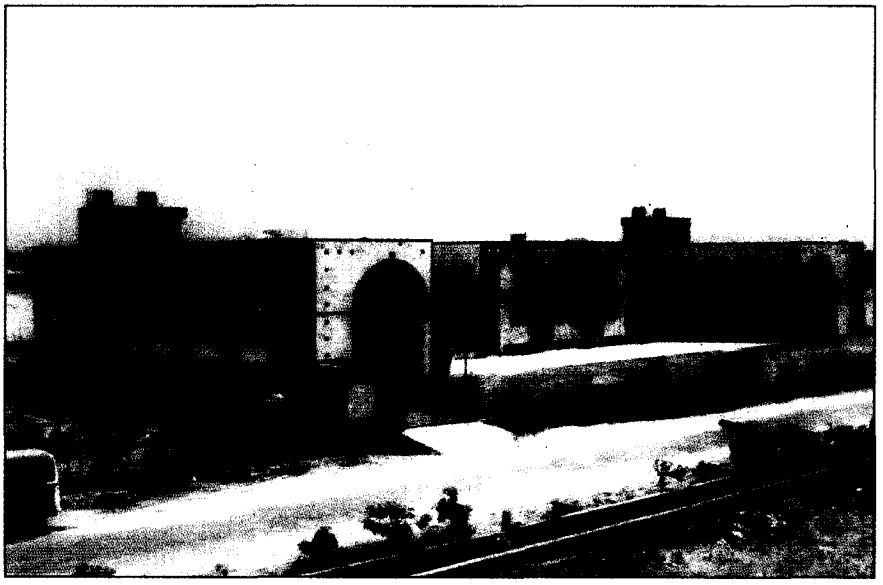

www.reportjunction.com